This question paper contains 7 printed pages]

आपका अनुक्रमांक.....

4653

B.A. (Programme)/III **C**

(Application Course)

रचनात्मक लेखन—हिंदी

(प्रवेश-वर्ष 2004 और तत्पश्चात्)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 50

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

एक प्रश्न के सभी अनुभागों का उत्तर एक स्थान पर दें।

1. निम्नलिखित किन्हीं **पाँच** अवधारणाओं को **100** शब्दों में स्पष्ट कीजिए : 5×2=10

   (*i*) रचना में भाव और विचार।

   (*ii*) भाषा और रचनात्मकता।

   (*iii*) साहित्य रचना का लक्ष्य।

P.T.O.

(*iv*) कवि पैदा होता है अथवा बनाया जाता है।

(*v*) कल्पना और रचनात्मकता।

(*vi*) पत्रकारिता और रचनांत्मकता।

(*vii*) विज्ञापन और रचनात्मकता।

(*viii*) लोकप्रिय संस्कृति और रचनात्मकता।

(*ix*) लोकव्यवहार की भाषा और साहित्य-लेखन।

(*x*) रचना-प्रक्रिया और अज्ञेय का विचार।

2. (क) निम्नलिखित किन्हीं छः उद्धरणों में यथानिर्दिष्ट विशेषताओं को चिह्नित कीजिए : $6\times\frac{1}{2}=3$

(*i*) कल कानन कुंडल मोरपखा उर पै वनमाल विराजति है। (अनुप्रास)

(*ii*) काली घटा का घमण्ड घटा। (यमक)

(*iii*) जलने को ही स्नेह बना,
उठने को ही वाष्प बना है। (श्लेष)

(*iv*) मैया मैं तो चंद-खिलौना लैहौं। (रूपक)

(v) जो जन करते नमन हैं, उन्नत होते वे सदा।

(विरोधाभास)

(vi) यह दीप अकेला स्नेह भरा। (प्रतीक)

(vii) प्रेम के दो पक्ष हैं, संयोग और वियोग। (विलोम)

(viii) हाय! फूल सी कोमल बच्ची

हुई राख की थी ढेरी (उपमा)

(ix) वह आदमी हमेशा हवाई बातें करता है।

(लक्षणा शब्द-शक्ति)

(x) वह दिन-रात मेहनत करता है। (शब्द युग्म)

(ख) किन्हीं **तीन** भाषा-प्रयोगों की विशेषताएँ बताइए : 3×1=3

(i) औपचारिक भाषा

(ii) पारिभाषिक शब्द

(iii) अर्थ परिवर्तन में उपसर्ग की भूमिका

(*iv*) तत्सम शब्द

(*v*) मौखिक भाषा

(*vi*) उपमा और रूपक अलंकार में अन्तर।

(ग) किन्हीं **दो** अवधारणाओं पर लगभग **75-75** शब्दों में टिप्पणी लिखिए 2×2=4

अभिधा शक्ति, कोड और संदेश, छंद, शब्दालंकार और अर्थालंकार में अन्तर।

3. (क) किसी **एक** के रचनात्मक वैशिष्ट्य का विश्लेषण कीजिए : 9

आसपास/जंगली हवाएँ हैं/मैं हूँ।

पोर-पोर/जलती समिधाएँ हैं/मैं हूँ।

आड़े-तिरछे, लगाव/ बनते आते, स्वभाव

सिर धुनती/होंठ की ऋचाएँ हैं/मैं हूँ।

अगले घुटने, मोड़े/झाग उगलते, घोड़े

जबड़ों में/कसती वल्गाएँ हैं/मैं हूँ।

अथवा

शेर को क्या ख़बर कि नीचे क्या हो रहा है। वह तो अपने शिकार की ताक में घात लगाए बैठा था। एकाएक पैरों की आहट पाते ही वह चौंक गया और उन चारों आदमियों को एक टीले की आड़ में देखा। फिर क्या कहना था! मुँह माँगी मुराद मिली। भूख में सब्र कहाँ ? वह इतने जोर से गरजा कि सारा जंगल हिल गया और उन आदमियों की तरफ़ ज़ोर से जस्त मारी। मगर वे लोग पहले से ही तैयार थे। चारों ने एक साथ गोली चलायी। दन-दन-दन-दन आवाज़ हुई। चिड़ियाँ पेड़ों से उड़-उड़कर भागने लगीं। लड़के ने नीचे देखा—शेर ज़मीन पर गिरा पड़ा था। 9

(ख) निम्नलिखित किन्हीं **तीन** अवधारणाओं को लगभग **75-75** शब्दों में स्पष्ट कीजिए : 3×2=6

मुक्तक काव्य, बालगीत, नाटक में संवाद का महत्व, कहानी में परिवेश, उपन्यास की कथावस्तु, बाल साहित्य लेखन में विषय का चुनाव।

4. (क) साक्षात्कार का क्या तात्पर्य है ? साक्षात्कार लेते समय साक्षात्कार-कर्ता को किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ? 4

अथवा

टेलीविजन माध्यम के लिए कथात्मक लेखन फिल्म लेखन से किस प्रकार भिन्न होता है ?

(ख) किसी **एक** विषय पर **150** शब्दों में फीचर लेखन कीजिए : 3

(*i*) जापान में सुनामी का कहर

(*ii*) कॉमनवेल्थ गेम्स में वैल्थ हुआ कॉमन

(*iii*) इच्छामृत्यु।

(ग) फिल्म 'दबंग' **अथवा** 'गोलमाल-3' की समीक्षा कीजिए। 3

अथवा

हाल ही में पढ़ी किसी पुस्तक की समीक्षा कीजिए।

5. (क) किसी रचना की सफलता-असफलता में पाठक की क्या भूमिका होती है ? 3

अथवा

समाचार-पत्र में सम्पादन करते हुए किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक होता है ?

(ख) आवश्यक चिह्नों का प्रयोग करते हुए प्रूफ-शोधन कीजिए : 2

वैसे तो समस्त बला-कथाएँ काल्पनिक हि होति हैं, मगर यहाँ काल्पनिक कथाओं से हमअरा आशय उस तरह की कथाओं से होता है जीसमें बच्चों कोकल्पना की उड़ान के सहारे येसी कथा बतायी जाति है जिस्से उनकी कल्पनात्मक्ता को विस्तार मिलता है।